ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान

जोधपुर, राजस्थान

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 08-06-2021

जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2021-06-08 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2021-06-09	2021-06-10	2021-06-11	2021-06-12	2021-06-13
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	41.0	42.0	42.0	42.0	43.0
न्यूनतम तापमान(से.)	31.0	31.0	31.0	31.0	31.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	55	63	62	63	64
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	20	23	26	25	24
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	31.0	32.0	33.0	32.0	28.0
पवन दिशा (डिग्री)	232	230	231	231	227
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	0	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

आने वाले पांच दिनों में वर्षा नहीं होने की सम्भावना है। अधिकतम तापमान 41.0 से 43.0 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 31.0 डिग्री सेंटीग्रेड रहेगा।

सामान्य सलाहकार:

किसान भाई खरीफ फसलों की बुवाई हेतु आवश्यक आदानों जैसे बीज, उर्वरक एंव रसायनों की अग्रीम व्यवस्था करें ताकि वर्षा शुरू होते ही खरीफ फसलों की समय पर बुवाई की जा सके।

लघु संदेश सलाहकार:

आने वाले दिनों में दिन व रात का तापमान बढ़ने की सम्भावना।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
मूँगफली	सफेद लट की रोकथाम के लिए मूंगफली की बुवाई से पूर्व फिप्रोनिल 0.3 प्रतिषत 20 किलो ग्राम प्रति हैक्टेयर की दर से खेत में डालें।

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
बाजरा	बाजरे की बुवाई का समय जून के मध्य से शुरू होता है। इसलिए, किसानों को सलाह दी जाती है कि वे संकर या उन्नत किस्मों के बीजों, उर्वरक और बीज उपचार हेतु रसायनों की व्यवस्था करें और पर्याप्त वर्षा होने पर बुवाई करें। 10-12 टन अच्छी तरह से तैयार गोबर की खाद बुवाई से 2 से 3 सप्ताह पहले खेतों में डालें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशुओं को अधिक तापमान एवं लू से बचाने के लिए दिन के समय छप्पर के नीचे ही बांधें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	जिन कृषकों ने टांका बना रखा है, वे वर्षा जल संग्रह क्षेत्र को साफ एंव ठीक करें जिससे साफ जल ग्रहण किया जा सके।
सामान्य सलाह	किसान भाई खेत में जुताई कर समतल क्यारियां बनाएं जिससे वर्षा जल खेत में संरक्षित किया जा सकें।